दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की असली पहचान उसके पद, पैसे या प्रसिद्धि से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह कमजोर, जरूरतमंद और असहाय लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है। क्योंकि ऊँचा वही नहीं जो ऊँचे मंच पर बैठा हो, बल्कि ऊँचा वह है जिसके विचार और व्यवहार इंसानियत को ऊँचाई देते हों।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-184 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 28 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

अंतिम सफर में पद नहीं, रिश्ते साथ चलते हैं

मनुष्य का जीवन एक लंबी यात्रा की तरह है, जिसमें वह जन्म से लेकर अंतिम सांस तक सफलता, सम्मान, संपत्ति और पहचान पाने के लिए निरंतर संघर्ष करता रहता है। कोई ऊंचे पद की दौड़ में लगा है, कोई बैंक बैलेंस बढ़ाने में व्यस्त है और कोई अपने अहंकार को ही अपनी उपलब्धि मान बैठता है। लेकिन जीवन की ढलती शाम एक ऐसा आईना होती है, जहाँ हर भ्रम टूटने लगता है। तब इंसान को एहसास होता है कि उसने जिन चीजों को जीवन का सबसे बड़ा सत्य समझा था, वे वास्तव में क्षणिक थीं। अंत में यदि कुछ स्थायी रहता है, तो वह हैं–रिश्ते, यादें और इंसानियत से कमाई गई दुआएं। मैं यहां बोलेगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज का दौर भौतिकता और प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। इंसान अपनी पहचान को अपने पद, पैसे और प्रभाव से जोड़ने लगा है। समाज में भी अक्सर व्यक्ति का मूल्यांकन उसके बैंक बैलेंस और रसूख से किया जाता है। यही कारण है कि लोग रिश्तों से ज्यादा करियर को, संवेदनाओं से ज्यादा संपत्ति को और इंसानियत से ज्यादा अहंकार को महत्व देने लगे हैं। लेकिन समय का चक्र जब घूमता है और जीवन ढलान पर पहुंचता है, तब यही चमक फीकी पड़ने लगती है। रिटायरमेंट के बाद अक्सर देखा जाता है कि जिस व्यक्ति के आगे-पीछे कभी लोगों की भीड़ रहती थी, जिसके एक फोन पर काम हो जाया करते थे, वही व्यक्ति धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार हो जाता है। जिस कुर्सी के अहंकार में वह खुद को सबसे ऊपर समझता था, वह कुर्सी कुछ ही दिनों में किसी और की हो जाती है। तब उसे एहसास होता है कि पद स्थायी नहीं, बल्कि केवल जिम्मेदारी का एक अस्थायी अवसर था। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि कई लोग इस अवसर को सेवा के बजाय अहंकार का माध्यम बना लेते हैं। इसी प्रकार धन भी जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने का साधन है, लेकिन जब यही साधन जीवन का लक्ष्य बन जाता है, तब रिश्ते पीछे छूटने लगते हैं। लोग तिजोरियां भरने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपनों के लिए समय ही नहीं बचता। बच्चे बड़े हो जाते हैं, माता-पिता बूढ़े हो जाते हैं, दोस्त दूर हो जाते हैं, लेकिन इंसान सोचता रहता है कि वह 'भविष्य सुरक्षित' कर रहा है। विडंबना यह है कि भविष्य की चिंता में वह वर्तमान के सबसे खूबसूरत पल खो देता है।

जीवन के अंतिम पड़ाव पर इंसान अपनी उपलब्धियों की फाइलें नहीं खोलता, बल्कि यादों की किताब पलटता है। उसे याद आते हैं बचपन के वे दिन, परिवार के साथ बिताए गए पल, दोस्तों की हंसी, किसी जरूरतमंद की मदद करने का संतोष और समाज के लिए किए गए छोटे-छोटे अच्छे कार्य। यही वे क्षण होते हैं जो आत्मा को सुकून देते हैं। उस समय ना बैंक बैलेंस दिल को शांति देता है और ना ही ऊंचा पद। यदि कुछ मायने रखता है, तो वह है लोगों के दिलों में आपके लिए बचा सम्मान और प्रेम। इतिहास भी यही सिखाता है। विश्व विजेता सिकंदर जब दुनिया से विदा हुआ, तो उसके हाथ खाली थे। वह पूरी दुनिया जीत सका, लेकिन जीवन की अंतिम सच्चाई से नहीं जीत पाया। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि इंसान चाहे कितना भी धन और शक्ति अर्जित कर ले, अंत में सब यहीं रह जाना है। साथ केवल वही जाता है, जो उसने लोगों के दिलों में कमाया हो। आज समाज में बढ़ती कटुता, अकेलापन और मानसिक तनाव का एक बड़ा कारण यही है कि इंसान ने रिश्तों को पीछे छोड़ दिया है। सोशल मीडिया पर हजारों संपर्क होने के बावजूद लोग भीतर से अकेले हैं। कारण स्पष्ट है–रिश्ते केवल दिखावे और औपचारिकताओं से नहीं चलते, उन्हें समय, संवेदना और अपनापन चाहिए। यदि जीवनभर इंसान केवल अपने अहंकार और स्वार्थ में जीता रहेगा, तो अंतिम समय में उसके पास याद करने के लिए भी बहुत कम बचेगा। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम जीवन के वास्तविक अर्थ को समझें। पद, पैसा और प्रतिष्ठा जरूरी हैं, लेकिन वे जीवन का अंतिम सत्य नहीं हैं। वे केवल साधन हैं, साध्य नहीं। यदि सफलता के साथ विनम्रता नहीं है, यदि संपत्ति के साथ संवेदना नहीं है और यदि उपलब्धियों के साथ रिश्तों की गर्माहट नहीं है, तो जीवन अधूरा है। आज जरूरत है कि हम अपने व्यस्त जीवन में अपनों के लिए समय निकालें। माता-पिता के साथ बैठें, बच्चों के साथ मुस्कुराएं, मित्रों का हाल पूछें और समाज के लिए कुछ निस्वार्थ कार्य करें। क्योंकि अंत में वही लोग आपके लिए रोएंगे, जिनके दिलों में आपने जगह बनाई होगी।

अंततः यह समझना होगा कि जीवन की असली कमाई तिजोरी में जमा धन नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में जमा प्रेम और विश्वास है। अंतिम यात्रा में ना ऊंचा पद साथ चलता है, ना बैंक बैलेंस और ना अहंकार। यदि कुछ साथ चलता है, तो वह हैं–आपकी यादें, आपके रिश्ते और आपके द्वारा कमाई गई दुआएं। यही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है।

भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी ने फिर रचा सफलता का इतिहास

ग्रामीण प्रतिभाओं ने सरकारी नौकरी में लहराया परचम, तीन विद्यार्थियों के चयन से क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को नई दिशा देने वाली भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी, बुहाना रोड पचेरी बड़ी ने एक बार फिर सफलता की नई इबारत लिखी है। लाइब्रेरी में अध्ययन करने वाले तीन विद्यार्थियों का हाल ही में सरकारी सेवा में अंतिम रूप से चयन होने पर क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवारों को गौरवान्वित किया है, बल्कि ग्रामीण युवाओं में भी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नया आत्मविश्वास जगाया है। लाइब्रेरी डायरेक्टर मनोज पंवार ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्निवीर आर्मी भर्ती में ऋतिक चोरा पुत्र हरिसिंह मेघवाल निवासी सहड़ का बास तथा आशीष पुत्र प्रदीप मेघवाल निवासी ढाणी भालोठ का अंतिम रूप से चयन हुआ है। वहीं पचेरी कला निवासी गौरव लाटा पुत्र लीलाधर लाटा का आर्मी की बीआरओ ग्रुप में अंतिम चयन होने से क्षेत्र में गर्व का माहौल है। प्रतियोगी परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद लाइब्रेरी परिसर में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं युवाओं ने चयनित अभ्यर्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी के सीईओ एडवोकेट हरेश पंवार, मैनेजिंग डायरेक्टर मीना एच. पंवार एवं न्यूज़ एडिटर नवीन कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मजदूरों और मेहनतकश परिवारों के बेटों ने लिखी सफलता की नई इबारत

दैनिक भीम प्रज्ञा द्वारा संचालित सेंट्रल लाइब्रेरी, बुहाना रोड पचेरी बड़ी केवल एक अध्ययन केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण संघर्ष और सपनों को साकार करने का प्रेरणादायी मंच बनती जा रही है। हाल ही में सरकारी सेवा में चयनित हुए तीनों विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके परिवारों का संघर्ष, त्याग और मेहनत की लंबी कहानी छिपी हुई है, जो आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। अग्निवीर आर्मी भर्ती में चयनित ऋतिक चोरा पुत्र हरिसिंह मेघवाल निवासी सहड़ का बास एक साधारण मजदूर परिवार से आते हैं। ऋतिक के पिता हरिसिंह ने स्वयं भी युवावस्था में फौज में भर्ती होने का सपना देखा था, लेकिन सफलता नहीं मिलने के बाद पारिवारिक जिम्मेदारियों और बेरोजगारी के चलते निर्माण कार्य में हेल्पर मजदूरी करने लगे। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने और उनकी पत्नी ने मजदूरी कर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देने में कोई कमी नहीं छोड़ी। आज परिवार में पहली बार सरकारी नौकरी मिलने पर पूरे घर में खुशी और गर्व का माहौल है। वहीं अग्निवीर भर्ती में चयनित आशीष पुत्र प्रदीप कुमार निवासी ढाणी भालोठ की सफलता भी संघर्ष की मिसाल बनकर सामने आई है। बेहतर शिक्षा और भविष्य की उम्मीद में आशीष के पिता गांव छोड़कर पचेरी कस्बे में आकर मजदूरी करने लगे। सीमित आय और कठिन हालात के बावजूद उन्होंने बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। आज बेटे के सरकारी सेवा में चयन होने से परिवार की वर्षों की मेहनत रंग लाई है और घर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है।

इसी प्रकार पचेरी कलां निवासी गौरव लाटा पुत्र लीलाधर लाटा का बीआरओ ग्रिफ में चयन क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि बन गया है। गौरव के पिता लीलाधर लाटा गांव के बस स्टैंड पर स्थित 'गौरव मिष्ठान भंडार' पर परंपरागत तरीके से शुद्ध दूध की मिठाइयां और पेड़े बनाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। वर्षों से अपनी मेहनत और ईमानदारी से लोगों का मुंह मीठा करवाने वाले इस परिवार ने शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा आधार माना। आज बेटे के सरकारी सेवा में चयन होने पर मिठाई की दुकान पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी के सीईओ एडवोकेट हरेश पंवार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को यदि सही मार्गदर्शन, सकारात्मक वातावरण और आत्मविश्वास मिले तो वे किसी भी मुकाम तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी का उद्देश्य केवल पढ़ाई करवाना नहीं, बल्कि संघर्षरत युवाओं में सपनों को साकार करने का विश्वास जगाना है।

अब तक 35 विद्यार्थियों का हो चुका चयन

संस्था से मिली जानकारी के अनुसार अब तक भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी में अध्ययन करने वाले 35 से अधिक विद्यार्थियों का विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयन हो चुका है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है, जिनके परिवार में पहली बार किसी सदस्य को सरकारी नौकरी मिली है। ग्रामीण परिवेश में स्थित यह लाइब्रेरी शांत वातावरण, प्राकृतिक सौंदर्य और अनुशासित अध्ययन संस्कृति के लिए युवाओं के बीच विशेष पहचान बना चुकी है। यहां केवल पढ़ाई का माहौल ही नहीं, बल्कि करियर काउंसलिंग, विषय चयन, लक्ष्य निर्धारण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीति से जुड़ी विशेष मार्गदर्शन सेवाएं भी दी जाती हैं।

युवाओं के लिए बन रही प्रेरणा

भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी आज ग्रामीण युवाओं के लिए उम्मीद और प्रेरणा का केंद्र बनती जा रही है। सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने वाले युवाओं को यहां ऐसा वातावरण मिल रहा है, जो उन्हें आत्मविश्वास और सफलता की ओर अग्रसर कर रहा है। चयनित विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही दिशा, मार्गदर्शन और मेहनत मिले तो गांव की प्रतिभाएं भी देश सेवा के बड़े मंच तक पहुंच सकती हैं।

'पे बैक टू सोसायटी' के विचार से शुरू हुई थी लाइब्रेरी

भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी की स्थापना 5 सितंबर 2022 को भीम प्रज्ञा के संस्थापक एडवोकेट हरेश पंवार द्वारा की। वे एक प्रेरणादायी वक्ता और करियर काउंसलर के रूप में युवाओं के बीच पहचान रखते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद एवं अभावग्रस्त विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण और निशुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। लाइब्रेरी का मूल उद्देश्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 'पे बैक टू सोसायटी' के विचार को समाज तक पहुंचाना और ग्रामीण प्रतिभाओं को सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व प्रतियोगी माहौल उपलब्ध कराना है।

शिक्षा मंत्री के माफ़र्त शिक्षकों पर दर्ज करवाए गए झूठे मुकदमे की निंदा का प्रस्ताव पारित

शिक्षक संघ (सियाराम) की स्थायी समिति की बैठक जयपुर में हुई सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के संरक्षक मंडल एवं स्थाई समिति की बैठक जयपुर स्थित प्रांतीय कार्यालय में मुख्य संरक्षक एवं प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।प्रदेश महामंत्री रामदयाल मीणा ने बताया कि 18 मई को रामगंजमंडी में आयोजित विशाल शिक्षक रैली को लेकर शिक्षा मंत्री द्वारा अपने कार्यकर्ता के माध्यम से पुलिस थाने में झूठी व आधारहीन रिपोर्ट दर्ज करवाने की बैठक में कड़ी निंदा करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में रैली के सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव भी पारित किया गया।प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि बैठक में आंदोलन को लेकर संगठन की आगामी रणनीति एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा, मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी सहित कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

अड़ूकिया राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों का कमाल, 6 विद्यार्थियों का NMMS में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से देय राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति योजना राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति में श्री जमनादास अड़ूकिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिड़ावा के कक्षा 8 के 6 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने पर विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्था प्रधान प्रदीप मोदी ने बताया कि विद्यालय के 6 विद्यार्थियों नेहा, मोनिका, सोनिया , विराट खांडा, वरुण एवं प्रथम शर्मा का एनएमएमएस परीक्षा में चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय में खुशी का वातावरण है। इन विद्यर्थियों को क्लास 9 से 12 तक अध्ययन हेतु प्रत्येक विद्यार्थी को 48 हजार रुपये की छात्रवृत्ति भारत सरकार से मिलेगी। विद्यालय परिवार ने सभी चयनित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। एवम इन विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेने का संदेश दिया। सम्मान समारोह में संजू शर्मा, प्रतिभा स्वामी, ममता एवम शिक्षक एवम अभिभावक उपस्थित थे।

उदयपुरवाटी की बेटी मीनाक्षी विश्वास ने जीता मिसेज राजस्थान 2026 रनर अप का खिताब

1700 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ टॉप-5 में बनाई जगह, परिवार व गांव का बढ़ाया मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे के कुआ सावनहाला निवासी डॉ. तपन कुमार विश्वास की पुत्री मीनाक्षी विश्वास ने 'मिसेज राजस्थान 2026' प्रतियोगिता में रनर अप का खिताब जीतकर परिवार, गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मीनाक्षी की इस उपलब्धि से उदयपुरवाटी क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा लोगों द्वारा उन्हें लगातार बधाइयां दी जा रही हैं। जयपुर स्थित होटल हेईवा हेवन रिसोर्ट में आयोजित ग्रैंड फिनाले में मीनाक्षी विश्वास ने अपनी शानदार रैंप वॉक, टैलेंट और प्रभावशाली पर्सनालिटी से निर्णायकों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से करीब 1700 महिलाओं ने ऑडिशन दिया था, जिनमें से चयनित होकर मीनाक्षी ने 24 फाइनलिस्ट में जगह बनाई और अपनी मेहनत व आत्मविश्वास के दम पर रनर अप का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही मीनाक्षी विश्वास ने 'रेडिएंट स्किन 2026' का विशेष खिताब भी जीता। बताया जा रहा है कि मीनाक्षी का सपना हमेशा से फैशन इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने का था, जिसे उन्होंने वर्ष 2026 में साकार कर दिखाया। उन्होंने इससे पहले मुंबई में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। यह पेजेंट फ्यूजन ग्रुप द्वारा आयोजित किया गया था, जिसकी व्यवस्थाएं योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा द्वारा संभाली गईं। मीनाक्षी की इस सफलता पर परिवारजनों, रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर डॉ. तपन विश्वास के मित्र मूलचंद सैनी ने भी मीनाक्षी को बधाई प्रेषित की।

विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को निखार रहे अभिरुचि शिविर: शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, हेतमसर में मंगलवार को हिन्दुस्तान स्काउट गाइड के तत्वावधान में आयोजित अभिरुचि शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर 20 जून तक संचालित होगा, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक की बालिकाओं को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीईओ स्काउट प्रदीप ईसरवाल ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ जीवन शैली के विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने में सहायक होते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रधानाचार्या अंजना चौधरी ने छात्राओं को निडर होकर अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों एवं युवाओं की छिपी प्रतिभाओं और रुचियों को निखारने के उद्देश्य से 'अभिरुचि शिविर' जैसे ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कला, संगीत, योग, कौशल विकास और डिजिटल साक्षरता जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों का सकारात्मक उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। सीबीईओ मण्डावा पवन कुमार ने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। शिविर में कला, संगीत, योग, खेलकूद, डिजिटल साक्षरता एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे बच्चों की छिपी प्रतिभाएं निखरकर सामने आ रही हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य पितराम सिंह गोदारा सहित अन्य गणमान्य नागरिक, विद्यालय स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहें।

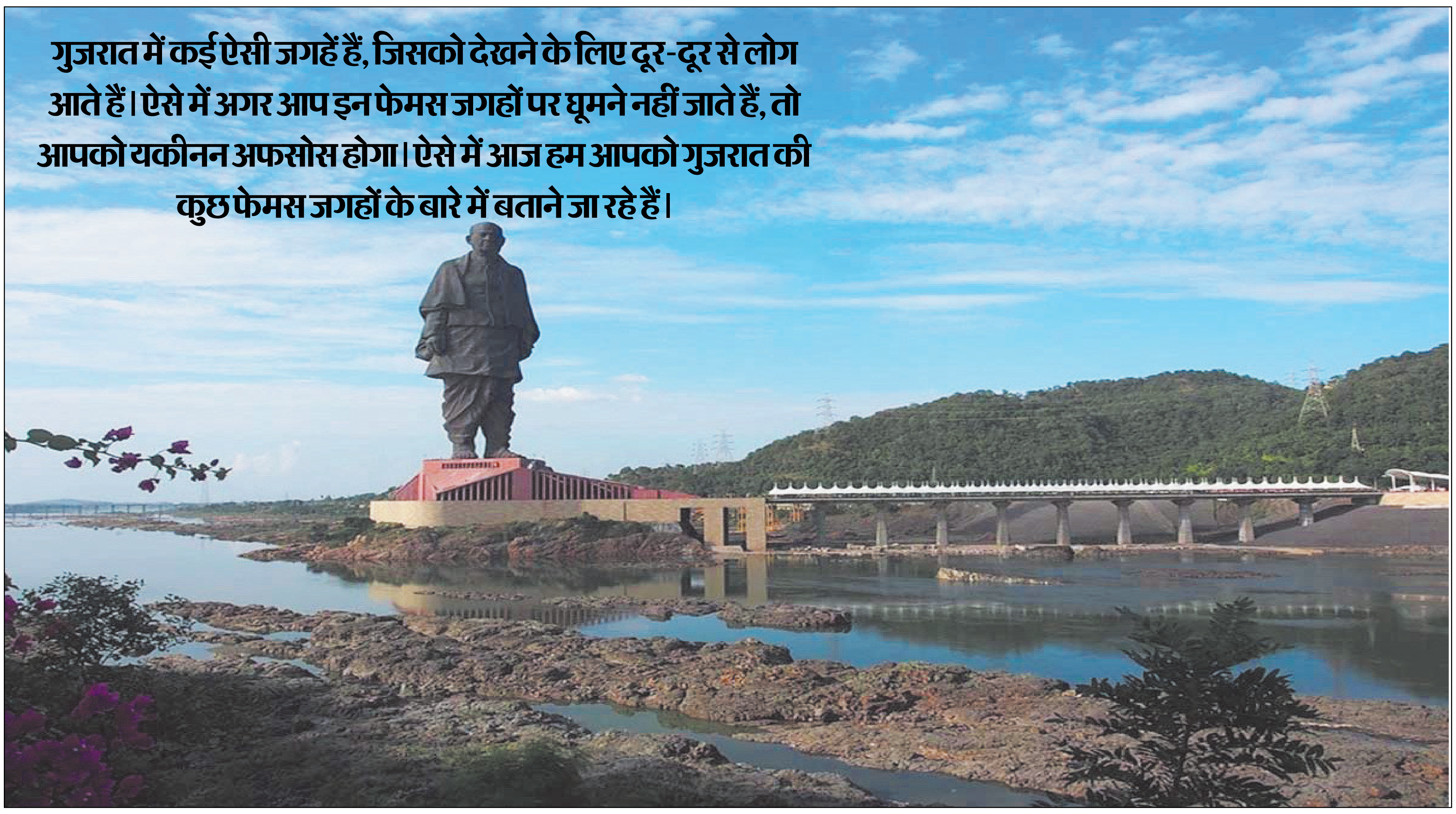

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

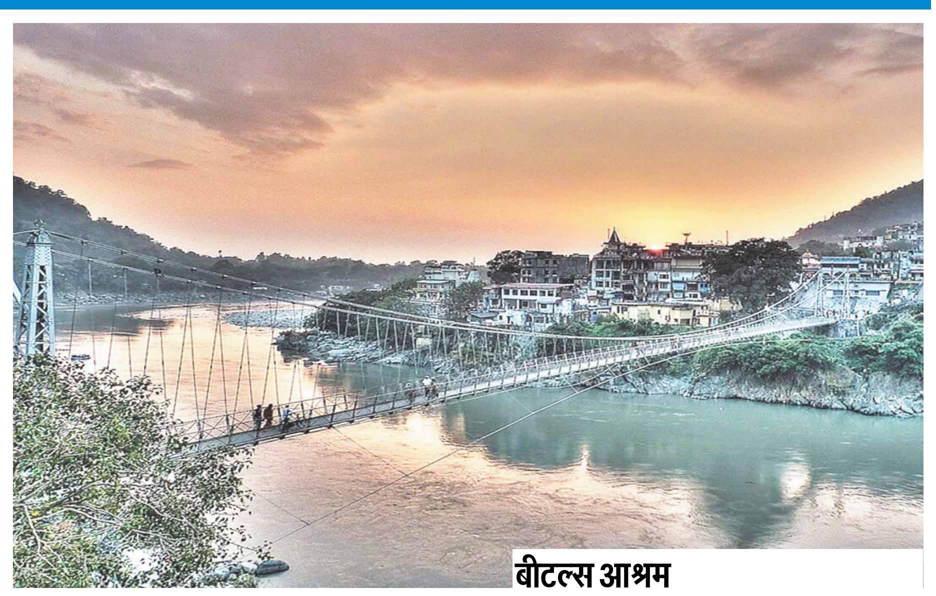

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

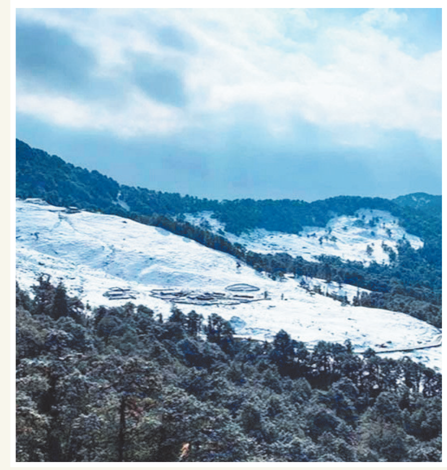

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

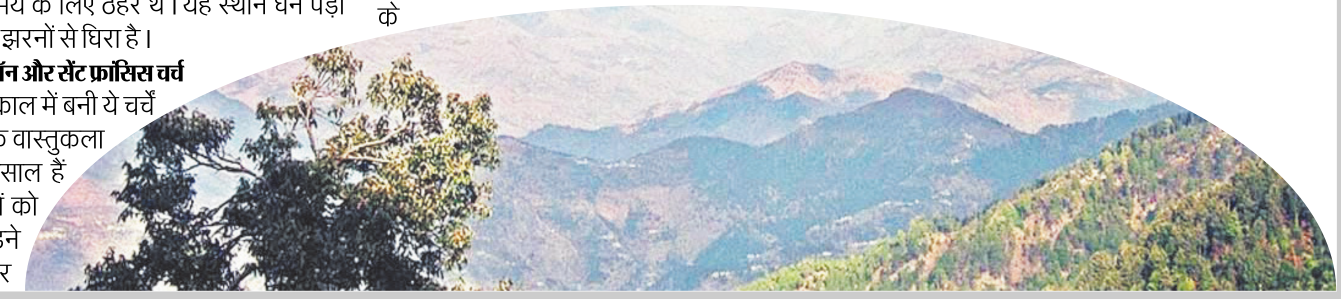

मुंडावर के शोपुर 33 केवी पावर हाउस में ट्रांसफार्मर में विस्फोट, भीषण आग से बिजली आपूर्ति ठप

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेश चन्द । किशनगढ़बास उपखंड के शोपुर स्थित 33 केवी पावर हाउस में मंगलवार को भीषण गर्मी के बीच ट्रांसफार्मर में अचानक तेज धमाके के साथ आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बढ़ते तापमान के कारण ट्रांसफार्मर में विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया।ट्रांसफार्मर में तेल होने की वजह से आग तेजी से फैली और कुछ ही मिनटों में पूरे उपकरण को चपेट में ले लिया। आग के कारण क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। घटना से आसपास के इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की सहायता से कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते नियंत्रण पा लेने से बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। तकनीकी टीम विद्युत आपूर्ति बहाल करने में जुटी है। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक धैर्य बनाए रखें।

मंदिर जा रही महिला की बेरहमी से हत्या, आरोपी युवक व उसकी मां हिरासत में

रास्ते से पकड़कर घर ले गया आरोपी, मारपीट के बाद तोड़ा दम

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य, पुलिस मामले की जांच में जुटी

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

मृतका कमला देवी

पचेरीकलां थाना क्षेत्र के रामसर गांव में बुधवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जहां मंदिर जा रही एक बुजुर्ग महिला की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने महिला को रास्ते से जबरन पकड़कर अपने घर ले जाकर मारपीट की और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पचेरीकलां पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक जानकारी जुटाई।जानकारी के अनुसार रामसर निवासी कमला देवी (60) पत्नी ख्यालीराम बुधवार सुबह करीब 10 बजे अपने घर से मंदिर जा रही थी। इसी दौरान गांव का ही राजेश पुत्र महासिंह रास्ते से जा रही महिला को जबरन पकड़कर अपने घर ले गया। वहां उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला के सिर पर धारदार हथियार से वार भी किया गया।बताया जा रहा है कि आरोपी राजेश कुमार का मकान मंदिर के पास ही स्थित है, जबकि मृतका का घर घटनास्थल से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर है। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी मानसिक रूप से सनकी प्रवृत्ति का है। वारदात के बाद भी आरोपी अपने घर पर ही मौजूद रहा और पुलिस के पहुंचने पर मौके से ही उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने आरोपी की मां नीता देवी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

मृतका कमला देवी का पति ख्यालीराम गांव में ट्रैक्टर चलाकर मजदूरी करता है। परिवार में एक बेटा जितेंद्र दिव्यांग है, जबकि दूसरा बेटा सत्येंद्र घटना के समय किसी काम से पचेरीकलां गया हुआ था। घटना की सूचना पर बुहाना डीएसपी नोपाराम भाकर, पचेरीकलां थानाधिकारी बनवारीलाल यादव सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी ली। डीएसपी नोपाराम भाकर ने बताया कि आरोपी राजेश कुमार और उसकी मां से पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बुहाना के राजकीय अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

सहायक अभियंता कार्यालय में भामाशाह ने करवाया टिन सेड का निर्माण

पुण्य स्मृति में बनाया गया टिन सेड

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में रहने वाले गोपाल लाल शर्मा (से.नि. सहायक प्रशासनिक अधिकारी) ने अपनी धर्मपत्नि स्व. संतोष देवी एंव अपने सुपुत्र स्व. प्रवीण कुमार की पुण्य स्मृति में विधुत विभाग के सहायक अभियन्ता कार्यालय उदयपुरवाटी में एक टिन सेड का निर्माण भामाशाह स्वरूप करवाने पर सहायक अभियन्ता मनफूलसिंह महरिया एंव सहायक राजस्व अधिकारी राजीव रोहिला के द्वारा गोपाल लाल शर्मा का साफा एंव माला पहनाकर अभिनन्दन किया गया। कार्याक्रम में विद्युत विभाग के सेवानिवृत कर्मचारी मंगतु राम वर्मा ठेकेदार रविन्द्र सिंह, उपभोक्ता लिपिक नाथूराम सैनी भामाशाह प्रेरक दलीप गुर्जर समेत विधुत विभाग के अनेकों कर्मचारी उपस्थित रहें।

गांव बाजीसर के दो युवाओं का आर्मी में चयन, डीजे रैली निकाल कर किया भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा विधानसभा क्षेत्र के गांव बाजीसर के दो युवाओं के भारतीय सेना में चयन होने पर गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव के संदीप निर्मल पुत्र हरिराम निर्मल एवं युवराज कुल्हरी पुत्र दिनेश कुल्हरी के आर्मी में चयन पर ग्रामीणों ने मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। समाजसेवी अमित मीणा ने बताया कि दोनों युवाओं ने गांव, समाज एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संदीप निर्मल के गांव पहुंचने पर शहीद राजकुमार जांगिड़ स्मारक से उनके घर तक डीजे वाहन रैली निकालकर भव्य स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर एवं मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान संदीप निर्मल को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामेश्वर निर्मल (वरिष्ठ अध्यापक), बनवारीलाल निर्मल (वरिष्ठ अध्यापक), बीरबल निर्मल, सुभाष महला, सुरेश निर्मल, रामनिवास बुडानिया, सुखबीर निर्मल, मोरसिंह कांवलिया, विक्रम मीणा, रूपचन्द्र निर्मल, विक्रम निर्मल, मनोज निर्मल, सुनिल जांगिड़, शंकर निर्मल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं युवा मौजूद रहे। कार्यक्रम में विकास निर्मल, मनदीप निर्मल, आदित्य कुमार, बाबूलाल निर्मल, अरुण कुमार, आकाश काला, हरकेश मीणा, नवीन बुडानिया, अंकित कुमार, अनु निर्मल, राहुल निर्मल, राजेश निर्मल, गौतम कुमार, शक्ति नायक, विक्रम नायक, रोहित नायक, पंकज कुमार, विक्की निर्मल, सुनिल कुमार, कर्मवीर सिंह, मोहित कुमार, कपिल कुमार, हर्षित बुडानिया, अभिनव निर्मल एवं रूपेंद्र कुमार सहित अनेक युवाओं ने भाग लिया। ग्रामीणों ने दोनों युवाओं की सफलता को क्षेत्र के लिए गौरव बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वार्ड निवासियों द्वारा अधिशाषी अभियंता का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

राजकुमार अधिशाषी अभियंता, किरण मैडम, सहायक अभियंता, एवं अंचल मैडम, कनिष्ठ अभियंता सीकर का बांडिया बास, मीणों के मोहल्ले में ट्यूबवेल से संबंधित जल आपूर्ति की समस्या का त्वरित समाधान करने पर वार्ड निवासियों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वीरेंद्र मीणा, तहसील महामंत्री हेमंत कुमार मीणा, तहसील संरक्षक फूलचंद मीणा, जगदीश प्रसाद मीणा, तहसील संस्कृति मंत्री विक्रम मीणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।लेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज, यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, महादेव जांगिड़ व गोविंद जांगिड़ , महेंद्र जांगिड़ शामिल है।

झड़ाया 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ की गूंज गुजरात के सूरत शहर में दी सुनाई

राजस्थानी प्रवासियों में यज्ञ को लेकर भारी उत्साह

यज्ञ सेवा समिति के सदस्यों ने सूरत में कई जगह किया पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झड़ाया बालाजी मंदिर पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय महायज्ञ को लेकर गुजरात के सूरत शहर में भी गूंज सुनाई देने लगी है द्य झड़ाया से गए प्रतिनिधिमंडल में मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज व यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया सहित यज्ञ सेवा समिति का प्रतिनिधिमंडल सूरत दौरे पर है द्य मदनलाल भावरिया के अनुसार सूरत में राजस्थानी प्रवासियों द्वारा सूरत गए प्रतिनिधिमंडल का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया द्य इसके साथ ही यज्ञ संयोजक महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में सूरत के कई स्थानों पर पोस्टर का विमोचन कर लोगों को यज्ञ में आने के लिए निमंत्रण किया गया द्य यज्ञ सेवा समिति के सदस्य ने बुधवार को सूरत में पचलंगी निवासी एवं सूरत प्रवासी मनोज गोयल, दीपचंद गोयल ,सुनील गोयल द्वारकेश्वर मंदिर के भामाशाह पचलंगी वालों को भी निमंत्रण दिया गया द्य सचिन जीआईडीसी के औद्योगिक क्षेत्र में महामंडलेश्वर के सानिध्य में वहां सभी लोगों को यज्ञ में आने का न्योता दिया गया द्य सूरत में श्याम मंदिर के नजदीक व विश्वकर्मा मंदिर के पास कैलाश कुमावत ,भंवर सिंह शेखावत, बजरंग जांगिड़ ,व रामावतार जांगिड़ (तिवाडी का बास) मुकेश जांगिड़ आदि से संपर्क करते हुए यज्ञ का निमंत्रण दिया गया द्य आपको बता दें झड़ाया से सूरत गए प्रतिनिधि मंडल में मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज, यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, महादेव जांगिड़ व गोविंद जांगिड़ , महेंद्र जांगिड़ शामिल है।

मंडावा में जनगणना कार्यों का तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने किया निरीक्षण, जल संरक्षण का दिया संदेश

जनगणना के साथ जल बचाने की मुहिमः डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने प्रगणकों को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने मंगलवार को मंडावा क्षेत्र के विभिन्न जनगणना ब्लॉकों का निरीक्षण कर चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों से फील्ड में आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा जनगणना कार्य को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। डॉ. भास्कर ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रगणकों को घर-घर जाकर सही एवं तथ्यात्मक जानकारी एकत्रित करने के निर्देश देते हुए आमजन से भी सहयोग की अपील की। भीषण गर्मी को देखते हुए तहसीलदार ने जनगणना कार्य में लगे कार्मिकों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने, पर्याप्त पानी पीने तथा धूप से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि फील्ड में कार्य करते समय स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देना बेहद आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान डॉ. सुरेन्द्र भास्कर ने जनगणना किए जा रहे घरों में पहुंचकर जानकारी का सत्यापन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन को 'वंदे भारत जल संरक्षण' अभियान की जानकारी देते हुए जल बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण बेहद जरूरी है और प्रत्येक नागरिक को पानी बचाने के लिए जागरूक होना चाहिए। उन्होंने जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों से आह्वान किया कि वे अपने नियमित कार्य के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दें, ताकि समाज में पानी बचाने को लेकर सकारात्मक वातावरण तैयार हो सकें।निरीक्षण दल में जनगणना प्रकोष्ठ से राजेश चौधरी एवं संदीप मोगा भी मौजूद रहे।

ब्रह्म बगीची में मंदिरों के ताले तोड़कर चोरी, मुख्य गेट भी उखाड़ ले गए असामाजिक तत्व

वार्ड नंबर 2 में धार्मिक स्थल को बनाया निशाना, लोगों में रोष, मंडावा थाने में दी लिखित रिपोर्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के वार्ड नंबर 2 स्थित ब्रह्म बगीची क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा मंदिरों को निशाना बनाए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार देर रात अज्ञात लोगों ने बगीची परिसर में स्थित तीन से चार मंदिरों के ताले तोड़ दिए तथा मुख्य द्वार का लोहे का गेट भी तोड़कर अपने साथ ले गए। घटना के बाद क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ब्रह्म बगीची लंबे समय से धार्मिक आस्था का केंद्र रही है। यहां वर्षों पूर्व स्वर्गीय सागरमल जी जोशी द्वारा जमीन दान की गई थी तथा वर्तमान में भी आसपास के परिवार और श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। असामाजिक तत्वों द्वारा मंदिरों के ताले तोड़ने और परिसर को नुकसान पहुंचाने से लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्र के लोगों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मंदिरों के टूटे हुए ताले और मुख्य गेट गायब मिलने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों द्वारा मंडावा थाने में लिखित शिकायत देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि इससे पहले भी क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां होती रही हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण ऐसे तत्वों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाए तथा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था की जाए। इस मामले में पुष्कर चोटिया, बनवारीलाल चोटिया, रमाकांत चोटिया, रामस्वरूप चोटिया, चौथमल भूदड़ा, महेश डूगोलिया, सुशील लुहारूवाला, मोहिंद्र शर्मा, रामअवतार शर्मा, रवि शर्मा, लक्ष्मीकांत शर्मा, मनोज शर्मा, विष्णु भाटीवाड़ा, संतू लुहारूवाला, ईश्वर पापटन, सावरमल दरोगा तथा चंद्रभान भाटी सहित अन्य लोगों ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बुहाना थाने में सीएलजी बैठक आयोजित, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

ईद-उल-अज़हा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में मनाने को लेकर बुहाना पुलिस थाने में सीएलजी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बुहाना थाना प्रभारी बिमला बुडानिया ने की। इस दौरान सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक दल, व्यापार मंडल प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक में पुलिस प्रशासन की ओर से उपस्थित लोगों से अपील की गई कि बकरीद पर्व को आपसी प्रेम, धार्मिक सौहार्द एवं शांति बनाए रखते हुए मनाया जाए। थाना प्रभारी बिमला बुडानिया ने कहा कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने, शराब पीकर हुड़दंग मचाने या सोशल मीडिया पर धार्मिक एवं साम्प्रदायिक भावना भड़काने वाली पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की। बैठक के दौरान साइबर अपराधों से बचाव, यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों, राजकॉप सिटीजन ऐप के उपयोग तथा नए आपराधिक कानूनों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से डिजिटल सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने और साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए। इस अवसर पर उपस्थित सीएलजी सदस्यों एवं नागरिकों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं और सुझाव भी रखे, जिन्हें पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।बैठक में चेयरमैन दशरथ सिंह, भरत बोहरा, पूर्व उपप्रधान राजपाल सिंह, ग्राम सेवक महेंद्र, सुनील कुमार, रहीश खान, मुकेश सैन, घनश्याम सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

अपना घर सेवा समिति ने रेलवे स्टेशन पर पिलाया शरबत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । अधिकमास की एकादशी पर अपना घर सेवा समिति, मंडावर द्वारा स्थानीय रेलवे स्टेशन पर शीतल मीठे शरबत का वितरण किया गया। भीषण गर्मी के बीच डीएमयू, बरेली एक्सप्रेस, मरूधर एक्सप्रेस व अजमेर-आगरा इंटरसिटी सहित विभिन्न ट्रेनों के यात्रियों को शरबत पिलाकर राहत पहुंचाई गई। समिति अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद गुप्ता ने बताया कि अधिकमास में सेवा व परोपकार का विशेष महत्व है और समिति समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्य करती रहती है। इस दौरान योगेश अग्रवाल, अशोक गर्ग, महेश बडाया, संतोष अग्रवाल सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में समाजसेवी की प्याऊ बनी राहगीरों के लिए अमृतधारा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । भीषण गर्मी के बीच मंडावर के समाजसेवी मुकेश गौड़ द्वारा संचालित शीतल आरओ जल की प्याऊ राहगीरों को राहत पहुंचा रही है। सतानंद कॉलोनी रेलवे फाटक के पास स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद शर्मा की स्मृति में 15 मार्च से 15 जुलाई तक हर वर्ष की तरह इस बार भी प्याऊ चलाई जा रही है। बुधवार को एकादशी पर यहां शीतल दूध व ड्राईफ्रूट युक्त ठंडाई का वितरण भी किया गया। समाजसेवी मुकेश गौड़ ने बताया कि प्रतिदिन 50 से 60 आरओ जल कैम्पर खर्च होते हैं तथा उनका उद्देश्य बिना दिखावे के मानव सेवा करना है। क्षेत्र के लोग इस सेवा कार्य की सराहना कर रहे हैं।

नीमराना में मनाई गई भारत रत्न पं. जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि, कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । नगर कांग्रेस कार्यालय नीमराना में आज भारत रत्न, आधुनिक भारत के निर्माता और देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेदप्रकाश सैनी ने की। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना सभा आयोजित की। वक्ताओं ने पंडित नेहरू के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच की मजबूत नींव रखी। पंचवर्षीय योजनाओं, आईआईटी, एम्स और बड़े बांधों जैसी संस्थाओं की स्थापना कर उन्होंने आधुनिक भारत का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम में, पूर्व सरपंच धर्मवीर सिंह रेवाड़िया, धर्मपाल यादव, दिनेश शर्मा, गिर्राज सामरिया, मन्जीत सामदिया, देवेन्द्र कुमार दोसोदिया, मुकेश निर्मल, विनोद कुमार यादव, प्रवीन कुमार, सुनिल चर्खिया, सज्जन कुमार यादव, मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, देवेन्द्र जोशी सन्दीप उमरावगढ़, बलवीर यादव, संजय कुमार सैनी, संजय कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पंडित नेहरू के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

पद्मिनी एकादशी पर सिलारपुर की नाघोड़ी गौशाला में गौसेवा, यशवंत सिंह के परिवार ने खिलाया हरा चारा और दलिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर बाबा शिव स्वरूप गौशाला, नाघोड़ी-सिलारपुर में विशेष गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर फौलादपुर के प्रधानाध्यापक यशवंत सिंह ने परिवार सहित गौमाताओं की सेवा की और एक दिन का हरा चारा, गुड़ एवं मीठा दलिया अपने हाथों से खिलाया। गौसेवा में उनकी पत्नी चमेली देवी, पुत्र किशोर कुमार, पुत्रवधू संजू तथा पौत्र साहिल सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया। गौशाला परिसर में श्रद्धा और सेवा भाव का माहौल रहा। गौमाताओं को चारा खिलाने के साथ परिवारजनों ने गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। गौशाला कमेटी की ओर से यशवंत सिंह एवं उनके परिवार का साफा और पटका पहनाकर सम्मान किया गया। कमेटी पदाधिकारियों ने गौसेवा के प्रति उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सेवा और संस्कारों से जोड़ते हैं। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, उपाध्यक्ष सूबेदार जसवंत, कोषाध्यक्ष नित्यानंद यादव, व्यवस्थापक ओमप्रकाश, गौशाला तहसील अध्यक्ष हरवीर यादव, बंशीधर, ऋषि सैनी, कप्तान वीरेंद्र घीलोत, जगदीश वोहरा, मानसिंह, संजय झगडोलिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। सभी ने समाज से आह्वान किया कि अधिक से अधिक लोग गौशालाओं से जुड़ें और गौसेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

मण्डावर के बेटी चौक पर जल्द लहराएगा विशाल तिरंगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल। महवा विधानसभा क्षेत्र के मण्डावर नए बस स्टेण्ड स्थित मुख्य प्रवेश द्वार के पास बेटी चौक पर अब जल्द ही भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से लहराता नजर आएगा। महवा विधायक राजेन्द्र मीना के प्रयासों से यहां राष्ट्रीय ध्वज स्थापना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। तिरंगा स्थापना की यह पहल न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाएगी, बल्कि युवाओं और आमजन में राष्ट्रभक्ति की भावना को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। मण्डावर शहर के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थापित होने वाला विशाल तिरंगा अब क्षेत्र की नई पहचान बनने जा रहा है। लंबे समय से स्थानीय लोग शहर में बड़े शहरों की तर्ज पर राष्ट्रीय ध्वज स्थापना की मांग कर रहे थे। ऐसे में बेटी चौक पर तिरंगा लगाने की पहल से लोगों ने गौरव और सम्मान से जुड़ा कदम बताया है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है और लोग इसे मण्डावर के विकास एवं राष्ट्रीय चेतना से जोड़कर देख रहे हैं। विधायक राजेन्द्र मीणा ने कहा कि देश का राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं बल्कि देश की आन-बान और शान का गौरव है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द मण्डावर शहर में भी बड़े शहरों की तर्ज पर ऊंचाई पर लहराता तिरंगा दिखाई देगा, जो हर नागरिक में राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को मजबूत करेगा।

आदर्श विद्या मंदिर प्रधानाचार्य गुणवत्ता संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ

छह दिवसीय कार्यशाला में चूरू, सीकर व झुंझुनूं के 70 प्रधानाचार्य प्रभारी ले रहे भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

आदर्श विद्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सीकर मार्ग पर मंगलवार से छह दिवसीय आदर्श विद्या मंदिर प्रधानाचार्य गुणवत्ता संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अभिषेक पारीक, व्यवसायिक पुरुषोत्तम लाल मिश्रा एवं विद्या भारती संस्थान जयपुर के प्रांत सचिव लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथियों का स्वागत सुरजभान बिजला ने किया। कार्यशाला के दौरान 'योजना का केन्द्र बिन्दु : प्रधानाचार्य, कार्य एवं व्यवहार' विषय पर प्रांत सचिव लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने संबोधित करते हुए विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, कार्य योजना, अनुशासन एवं व्यवहार कुशलता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी प्रधानाचार्य प्रभारियों से गुणवत्ता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।इस अवसर पर वर्ग संयोजक गोपाल पारीक, राजकुमार, मुरारीलाल महर्षि, पुरुषोत्तम बील, त्रिविक्रम अपूर्वा, राजेश कुमार शर्मा, महेंद्र कुमार शर्मा, मनीष कुमार बेदी, ओमप्रकाश मील, अशोक कुमार पारीक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जयनारायण प्रजापत ने किया तथा व्यवस्थापक पुरुषोत्तम लाल मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला 31 मई तक आयोजित होगी, जिसमें चूरू, सीकर एवं झुंझुनूं जिलों के 70 प्रधानाचार्य प्रभारी सहभागिता कर रहे हैं।

कुलदीप यादव के जन्मदिवस पर सेवा व सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । पूर्व प्रधान सरपंच एसोसिएशन खंड अटेली-नांगल से जुड़े एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा हरियाणा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप यादव के 41वें जन्मदिवस के अवसर पर अटेली क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में क्षेत्र के लोगों की भागीदारी भी देखने को मिली और दिनभर सेवा गतिविधियों का क्रम जारी रहा। कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह करीब 10 बजे राजकीय अस्पताल अटेली से हुई जहां मरीजों और अस्पताल स्टाफ की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एयर कंडीशनर,कुर्सियां, गमले, पौधे तथा अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए। इस पहल से अस्पताल में आने वाले मरीजों को गर्मी से राहत मिलेगी। इस अवसर पर अस्पताल के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों ने कुलदीप यादव का आभार जताते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

महवा में जलभराव पर अब लगेगी स्थायी लगाम, विकास कार्यों के लिए मंत्री डॉ. किरोडीलाल ने दी करोड़ों की सौगात

नगरपालिका क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बाढ़ निकासी, सुरक्षा दीवार और जल प्रबंधन कार्यों को मिली मंजूरी, विधायक राजेन्द्र मीणा ने जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

कृषि मंत्री किरोडीलाल मीना

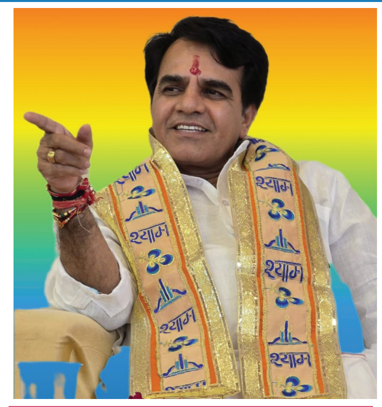

महवा विधायक राजेन्द्र मीना

मनोज खंडेलवाल । बरसात के दिनों में वर्षों से जलभराव और बाढ़ जैसी समस्या से जूझ रहे महवा क्षेत्र के लिए अब बड़ी राहत की खबर सामने आई है। महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि महवा शहर में जलभराव की समस्या का अब स्थायी समाधान होने जा रहा है, क्योंकि राज्य के आपदा राहत प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने नगरपालिका महवा क्षेत्र सहित विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास और सुरक्षा कार्यों के लिए करोड़ों रुपए के बजट को स्वीकृति प्रदान की है। सरकार की इस मंजूरी के बाद अब क्षेत्र में जल निकासी, सुरक्षा दीवार निर्माण और बाढ़ नियंत्रण से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी। विधायक राजेन्द्र मीणा ने बताया कि सांथा और पलानहेड़ा क्षेत्र से बाढ़ के पानी को बाणगंगा नदी की ओर मोड़ने के लिए करीब 27.72 करोड़ रुपए की बड़ी परियोजना स्वीकृत हुई है, जिसका कार्य स्थानीय पीडब्ल्यूडी विभाग के माध्यम से कराया जाएगा। वहीं महवा नगरपालिका क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव की समस्या के समाधान के लिए तूफानी जल निकासी प्रणाली परियोजना को भी मंजूरी दी गई है, जिस पर करीब 27 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर के मुख्य बाजार, कॉलोनियों और निचले इलाकों में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव से आमजन को राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लांगड़ीपुरा में भूस्खलन, बाढ़ और कटाव से लोगों तथा उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए करीब 21 करोड़ रुपए की लागत से सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य को स्वीकृति दी गई है। यह कार्य वन विभाग की देखरेख में कराया जाएगा। वहीं कुतकपुर गांव से खेड़ला बुजुर्ग तक सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए करीब 12.98 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं, जिसका कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कराया जाएगा। इन योजनाओं को क्षेत्र में आपदा प्रबंधन और ग्रामीण सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विधायक राजेन्द्र मीणा ने इन विकास कार्यों की स्वीकृति पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना का आभार जताते हुए कहा कि सरकार लगातार महवा विधानसभा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बरसात में जलभराव और बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों को राहत दिलाना उनकी प्राथमिकता रही है और अब इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से आमजन को स्थायी राहत मिलने का रास्ता साफ होगा। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने भी इन स्वीकृतियों को क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए खुशी जताई है।

विवेकानंद स्कूल द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत समर कैंप में 'फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव' का सफल आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत मंड्रेल्ला रोड़ स्थित विवेकानन्द पब्लिक स्कूल व श्रीराम बस्ती, चिड़ावा द्वारा 'फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव' का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 60 बच्चों, युवाओं एवं श्री राम बस्ती के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रसामृत आयुर्वेदिक केंद्र के डायरेक्टर डॉ. कृष्णदत्त, विवेकानन्द स्कूल के निदेशक शिवचन्द सैनी, रजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भावठड़ी के प्रधानाचार्य विजेंद्र यादव , सूबेदार रामवतार शेखावत , संदीप, रसामृत आयुर्वेदिक केंद्र के मैनेजिंग डायरेक्टर हेमंत, नवीन लाम्बा व भारतीय खेल विकास परिषद के राष्ट्रीय महासचिव विक्रम सिंह ने सभी विद्यार्थियों को फिटनेस , अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साइक्लिंग ड्राइव प्रातः 7:30 बजे बालाजी मंदिर, विधायक नगर से प्रारम्भ होकर विवेकानन्द स्कूल खेल मैदान तक आयोजित की गई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने 'फिट इंडिया' के नारों के साथ स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि फिट इंडिया अभियान के तहत 20 मई से समर कैंप का आयोजन लगातार किया जा रहा है, जिसकी विभिन्न गतिविधियां फिट इंडिया पोर्टल पर 21 जून तक संचालित रहेंगी। कैंप के अंतर्गत 'नमो फिट इंडिया यूथ क्लब' एवं 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 6.0' के तहत विभिन्न रचनात्मक एवं शारीरिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक सप्ताह एक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इस फिट इंडिया मूवमेंट के तहत समर कैंप में कक्षा 3 से 10 वीं तक के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे से 10:00 बजे तक आयोजित कैम्प में नैतिक मूल्य शिक्षा, इंग्लिश स्पोकन, मैथ्स फॉर्मूला, एआई शिक्षा की उपयोगिता, साइबर क्राइम जागरूकता, एक्सरसाइज, योग एवं सेल्फ डिफेंस जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय खेल विकास परिषद के मार्गदर्शन में किया गया तथा शिक्षाएआई द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। विद्यालय परिवार ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, स्वास्थ्य जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को नियमित व्यायाम, साइक्लिंग एवं फिट इंडिया अभियान से जुड़कर स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया।

'विद्युत सुरक्षा उपकरणों तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर विद्युत श्रमिक संघ की चिड़ावा उपखंड में हुई बैठक'

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ (भारतीय मजदूर संघ) जिला झुंझुनू टीम द्वारा बुधवार को विद्युत के चिड़ावा उपखंड के शहरी जीएसएस तथा इस्माइलपुर जीएसएस का निरीक्षण किया। इस दौरान जीएमसी मेंबर सुरेश कुमार शर्मा ने जीएसएस पर सुरक्षा उपकरणों कि समीक्षा रिपोर्ट ली तथा कार्यरत कार्मिकों को सुरक्षा उपकरण अपनाने हेतु प्रेरित किया। इस्माइलपुर जीएसएस के निरीक्षण के दौरान डिस्कॉम महामंत्री देवकरण सैनी तथा जेएमसी मेंबर सुरेश कुमार शर्मा ने पाया कि जीएसएस पर 2000 से अधिक छायादार पेड़ अब सूखने के कगार पर हैं। जीएसएस पर तैनात कार्मिकों ने बताया कि उक्त पेड़ विद्युत के ही सेवानिवृत्ति कार्मिक बीरबल सिंह चौहान द्वारा लगाए एवं विकसित किए गए थे किंतु अब यहां ट्यूबवेल सूख जाने से पानी के अभाव में यह सभी पेड़ नष्ट होने की ओर हैं । श्रमिक संघ प्रतिनिधियों ने उक्त जीएसएस पर पर्यावरण की दृष्टि से नष्ट होते हुए पेड़ों पर चिंता व्यक्त की तथा निगम प्रशासन तथा सरकार को इस दिशा में शीघ्र प्रयास कर नवीन ट्यूबवेल स्थापित करने की आवश्यकता जताई। विद्युत श्रमिक संघ कार्यकर्ताओं ने इस उद्यान को नष्ट होते उद्यान पर अपनी चिंता एवं आक्रोश को व्यक्त करते हुए निगम प्रशासन तथा सरकार को आगे किया कि 15 दिवस में अगर ट्यूबवेल स्थापित नहीं किया गया तो विवश होकर श्रमिक संघ आंदोलन की राह पर होगा। इस दौरान रंजीत सिंह भाटी जयवीर सिंह सुनील सैनी अनिल सैनी दीपेंद्र कुमार तंवर विजय सिंह जगदीप विकास टंडन रामप्रताप भूपेंद्र मुकेश पिलानिया आदि मौजूद थे।

भीम प्रज्ञा कविता

खामोश आग

उसका नाम लेते ही दिल भर आता है,
मोहब्बत भी है, पर ज़हरीला गुस्सा भी।
ज़िंदगी की इस अजीब सी कशमकश में,
छिपा है प्यार, और गहरा आक्रोश भी।

वो सामने आए तो धड़कनें मचलती हैं,
पर याद आते ही उसके सितम, रूह काँपती है।
चाहत का समंदर थमता नहीं दिल में,
पर भीतर ही भीतर एक आग सी सुलगती है।

सह लेती है वो उसकी हर बेरुखी हँसकर,
पर मन में नफ़रत का तूफ़ान पलता है।
अजीब शख्स है वो, उसकी इस ख़ामोशी में,
सिर्फ़ वही उसका प्यार और उसका रोष पढ़ती है।

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

ब्रह्म चैतन्य संस्थान का वार्षिक निर्वाचन सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा शहर के भगवान परशुराम मार्ग स्थित परशुराम भवन में ब्रह्म चैतन्य संस्थान के वार्षिक निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मोतीलाल लाटा को अध्यक्ष चुना गया। देर शाम हुई आम सभा में उनका निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी शुभराम शर्मा, जगदेव शर्मा और महेश शर्मा ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नामांकन फॉर्म भरे गए थे। अध्यक्ष पद के लिए निवर्तमान अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र, मोतीलाल लाटा, प्रमोद कुमार अड़ावतिया, रामचंद्र शर्मा, सीएम भारद्वाज और अनिल शर्मा सहित छह प्रत्याशियों ने फॉर्म दाखिल किए थे। इसके बाद शाम को सर्वसम्मति बनाने के लिए आम सभा का आयोजन किया गया। तीनों निर्वाचन अधिकारियों, पृथ्वीराज शर्मा और आचार्य हनुमान प्रसाद कौशिक ने सभी प्रत्याशियों से विचार-विमर्श किया। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने मोतीलाल लाटा के नाम का प्रस्ताव रखा, जिस पर अन्य सभी प्रत्याशियों ने सहमति जताते हुए अपने नामांकन फॉर्म वापस ले लिए। निवर्तमान अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने मंच से आम सभा में मोतीलाल लाटा के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की। निर्वाचन अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की। निर्वाचन के बाद, आम सभा में मौजूद लोगों ने सबसे पहले भगवान परशुराम की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और प्रसाद चढ़ाया। इसके उपरांत, नए अध्यक्ष मोतीलाल लाटा और पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र का समाज के विशिष्ट जनों द्वारा माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। पूर्व अध्यक्ष राजन सहल और पूर्व पालिकाध्यक्ष कैलाश लाटा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का मंच संचालन पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा ने किया। इस अवसर पर रविकांत कौशिक पचेरीवाला, उमाशंकर विशिष्ठ, राकेश शर्मा पाटन, सुनील शर्मा सीएस, प्रशांत शर्मा पांडे, आचार्य धर्मेंद्र तिवाड़ी, अवतार शर्मा, राधेश्याम शर्मा सुखाडिया, रजनीकांत मिश्रा डा एलके शर्मा, महेश शर्मा धन्ना, बलदेव शर्मा, सत्येंद्र कौशिक, गिरधर गोपाल महमिया, नवलकिशोर लाटा, यादव प्रसाद शर्मा, संतोष अड़ावतिया, प्रमोद शर्मा, नरेंद्र ठेकेदार, विक्रम शर्मा, निर्मल शर्मा, डॉ. कैलाश चतुर्वेदी, दीपक कौशिक, गंगाधर शर्मा, सुरेश शर्मा, आचार्य मुकेश पुजारी, विकास शर्मा, मूलचंद नरहडिया सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे।

राजस्थान में पाण्डुलिपि संरक्षण की अहम पहल

फतेहपुर व रतनगढ़ में हस्तलिखित ग्रन्थों का डिजिटलकरण कार्य हुआ शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान की प्राचीन ज्ञान परम्परा और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में ज्ञान भारतम् मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोगी केन्द्र सेठ सूरजमल तापडिया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जसवन्तगढ़, कुचामन नागौर ,सुप्रीम फाउंडेशन के अन्तर्गत बुधवार को सरस्वती पुस्तकालय, फतेहपुर व हनुमान पुस्तकालय, रतनगढ़ में प्राचीन हस्तलिखित पाण्डुलिपियों के डिजिटलकरण और विवरणिका निर्माण कार्य का विधिवत शुभारम्भ हुआ। यह जानकारी देते हुए वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी ने बताया कि इससे राजस्थान की दुर्लभ हस्तलिखित ग्रन्थों का संरक्षण सुनिश्चित होगा। तथा इन केन्द्रों पर संरक्षित संस्कृत, प्राकृत, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की दुर्लभ पाण्डुलिपियों को आधुनिक तकनीक द्वारा स्कैन कर सुरक्षित डिजिटल रूप में संग्रहित किया जाएगा। इससे भविष्य में शोधार्थियों और विद्वानों को इन अमूल्य धरोहरों का अध्ययन आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का संचालन डॉ. अल्का शर्मा के निर्देशन और देखरेख में प्रारम्भ हुआ है। उन्हें सरस्वती पुस्तकालय और हनुमान पुस्तकालय की नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके मार्गदर्शन में दोनों केन्द्रों पर पाण्डुलिपियों का वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलकरण तथा व्यवस्थित विवरणिका तैयार करने का कार्य चरणबद्ध रूप से सम्पन्न किया जाएगा। पाण्डुलिपि विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा राजस्थान समन्वयक ज्ञान भारतम् मिशन के अनुसार यह परियोजना न केवल राजस्थान की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान परम्परा के संवर्धन और संरक्षण को भी नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि यह प्रयास भारतीय पाण्डुलिपि परम्परा को डिजिटल माध्यम से वैश्विक स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल माना जा रहा है।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीम द्वारा 05 ड्रग पीड़ितों की पहचान

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं पुनर्वास अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य नशा पीड़ित व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना तथा उपचार के लिए प्रेरित करना रहा। अभियान के दौरान टीम द्वारा गांव भट्टू कलां से 03, जांडवाला बागड़ से 01 तथा डीएसपी रोड फतेहाबाद क्षेत्र से 01 सहित कुल 05 ड्रग पीड़ित व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। चिन्हित किए गए सभी व्यक्तियों को मौके पर ही काउंसलिंग प्रदान की गई तथा उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। टीम द्वारा उन्हें यह भी बताया गया कि नशा केवल स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। काउंसलिंग के उपरांत सभी पीड़ितों को आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाइयाँ उपलब्ध करवाई गईं, ताकि प्रारंभिक स्तर पर उनके स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके और नशे की निर्भरता को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त टीम द्वारा संबंधित क्षेत्रों में पहले से उपचाराधीन चल रहे नशा पीड़ितों का भी हाल-चाल जाना गया तथा उनके उपचार की स्थिति की समीक्षा की गई।

इसी क्रम में नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में भर्ती नशा पीड़ितों से भी मुलाकात की गई। वहां उपस्थित मरीजों की काउंसलिंग कर उन्हें नियमित उपचार जारी रखने एवं मानसिक रूप से मजबूत रहने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने अस्पताल स्टाफ से भी समन्वय स्थापित कर उपचार प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।एसआई सुंदर ने बताया कि नशा उन्मूलन केवल पुलिस का नहीं बल्कि समाज का सामूहिक दायित्व है। ऐसे अभियानों का उद्देश्य केवल पहचान करना नहीं, बल्कि पीड़ितों को सम्मानजनक जीवन की ओर पुनः स्थापित करना है। भविष्य में भी यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को नशे की लत से बाहर निकाला जा सके और समाज को नशामुक्त दिशा में आगे बढ़ाया जा सके।

भीषण गर्मी और हीट वेव को लेकर प्रशासन अलर्ट, नागरिक बरतें विशेष सावधानी: डीसी डॉ. विवेक भारती

निर्माण स्थलों व औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । लगातार बढ़ रही गर्मी और हीट वेव को देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि आमजन की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और गर्मी के मौसम में सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। उन्होंने कहा कि नागरिक नियमित रूप से मौसम पूर्वानुमान की जानकारी लेते रहें और शरीर को हाइड्रेट बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास महसूस न हो। ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी एवं अन्य घरेलू पेय पदार्थों का सेवन गर्मी से बचाव में लाभदायक है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि धूप में निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें तथा सिर को टोपी, छाते, पगड़ी या दुपट्टे से ढककर रखें। बाहर जाते समय पानी साथ रखें और लंबे समय तक सीधे धूप में रहने से बचें। यदि किसी व्यक्ति को खुले में कार्य करना आवश्यक हो तो वह समय-समय पर विश्राम करे तथा सिर, गर्दन और चेहरे को गीले कपड़े से ढककर रखे।

श्रमिकों के लिए भी जारी किए गए विशेष निर्देश

डीसी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों एवं निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों के लिए भी विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर ठंडे पेयजल एवं विश्राम की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा श्रमिकों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच सीधे सूर्य की रोशनी में कार्य करने से बचाया जाए। कठिन कार्य सुबह या शाम के समय करवाए जाएं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों और पालतू पशुओं को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें तथा गहरे रंग और तंग कपड़ों से बचें। आमजन स्वयं भी सतर्क रहें और अपने परिवार, विशेषकर बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें ताकि हीट वेव के दुष्प्रभावों से बचाव संभव हो सके।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान:

सिविल सर्जन डॉ. बुधराम ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलाभर में बढ़ती गर्मी एवं लू से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नागरिक अस्पताल में हीट वेव कॉर्नर एवं ओआरएस कॉर्नर स्थापित किए गए हैं, जहां मरीजों एवं उनके परिजनों को गर्मी से बचाव संबंधी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि तेज धूप एवं गर्म हवाओं के कारण शरीर में पानी की कमी, चक्कर आना, उल्टी, कमजोरी एवं हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, बाहर जाते समय पानी पीकर निकलें तथा हल्के एवं सूती कपड़े पहनें। सिविल सर्जन ने कहा कि खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए और केवल ताजा एवं स्वच्छ भोजन ही ग्रहण करना चाहिए। बच्चों एवं बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को अधिक देर तक धूप में न रहने दें तथा उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी एवं तरल पदार्थ देते रहें। यदि किसी व्यक्ति को अत्यधिक कमजोरी, तेज बुखार, उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

महिला सुरक्षा टीम व साइबर थाना द्वारा खिलाड़ियों को किया जागरूक

साइबर अपराध, सोशल मीडिया सुरक्षा, दहेज प्रथा व अभय ऐप के प्रति खिलाड़ियों को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस के जागरूकता अभियान के अंतर्गत महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह तथा साइबर थाना फतेहाबाद में तैनात महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में भोड़िया खेड़ा स्टेडियम फतेहाबाद में खिलाड़ियों को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, महिला सुरक्षा तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया हैकिंग, ओटीपी शेयर करने के खतरे तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने खिलाड़ियों को बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या नजदीकी साइबर थाना में शिकायत दर्ज करवानी चाहिए, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर खिलाड़ियों को सोशल मीडिया का सकारात्मक एवं सुरक्षित उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने युवाओं को फर्जी आईडी, भ्रामक संदेश, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड तथा सोशल मीडिया पर होने वाले अपराधों से सावधान रहने की सलाह दी। इसके साथ ही दहेज जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ संदेश देते हुए युवाओं को दहेज न लेने और न देने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित अभय ऐप के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं अभय ऐप के माध्यम से तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती हैं। खिलाड़ियों ने जागरूकता कार्यक्रम में रुचि दिखाते हुए पुलिस टीम द्वारा दी गई जानकारी को उपयोगी बताया।

देशसेवा का सपना हुआ साकार, शेखावाटी डिफेंस एकेडमी के 52 युवा सेना में चयनित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा में स्थित शेखावाटी डिफेंस एकेडमी ने एक बार फिर बेहतरीन परिणाम देकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। भारतीय सेना के आर्मी अग्निवीर फाइनल परिणाम में एकेडमी के कुल 52 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। परिणाम घोषित होते ही एकेडमी परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। चयनित अभ्यर्थियों, उनके परिजनों तथा एकेडमी स्टाफ ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। एकेडमी निदेशक मनीष दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि चयनित अभ्यर्थियों में लष्ठ श्रेणी से 29, क्लर्क श्रेणी से 8, टेक्निकल श्रेणी से 7 तथा ट्रेड्समैन श्रेणी से 8 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासित तैयारी और अनुभवी फैकल्टी के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि शेखावाटी क्षेत्र के युवाओं में देशसेवा के प्रति उत्साह लगातार बढ़ रहा है और यही कारण है कि क्षेत्र के युवा सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने का सपना साकार कर रहे हैं। एकेडमी भविष्य में भी युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देकर इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने का प्रयास करती रहेगी। चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा एकेडमी के प्रशिक्षकों को दिया। वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी एकेडमी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सीताराम, सीआरपीएफ रिटायर्ड हवलदार एवं फिजिकल ट्रेनर मैनपाल सिंह, गजपाल, रामसिंह, सुरेश सामरिया, वीर सिंह, अनील गोदारा, बबीता, मनोज जागलान, राकेश, प्रदीप अग्रवाल, सुशील सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

श्रीरामकथा ज्ञान यज्ञ में तीसरे दिन शिव-पार्वती विवाह प्रसंग पर जमकर थिरके श्रद्धालु भक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य महाराज के सानिध्य में पूज्या प्रेमा सखी के मुखारविंद से श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन बुधवार को शिव-पार्वती विवाह प्रसंग की कथा सुनकर श्रद्धालु भक्त जमकर थिरकने लगे। आयोजन समिति की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया कि श्री तोदी कुई दुर्गा पूजा महोत्सव स्थल पर श्री राम कथा के तृतीय दिवस को शिव-पार्वती विवाह का संगीतमय वर्णन पूज्या प्रेमा सखी द्वारा किया गया। कथा वाचक पूज्या प्रेमा सखी ने शिव पार्वती विवाह प्रसंग में बताया कि भगवान शिव भूतो की टोली के साथ बारात लेकर राजा हिमांचल के घर आये। सभी भक्त शिव पार्वती विवाह में झूम झूम कर नाचने लगे। इस अवसर पर शिव-पार्वती विवाह की सुंदर झांकी की प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने कहा कि श्रीराम कथा अधिमास महीने में श्रवण करने से कई जन्मों के पाप कट जाते है। अतः सभी श्रीराम कथा का श्रवण कर पूण्य लाभ कमाए। अंत मे श्री रामायण जी की आरती के साथ सभी भक्तों प्रसाद का वितरण किया गया। कथा में श्री देवीपुरा बालाजी के महंत ओमप्रकाश शर्मा, जुगालपुरा सती मंदिर के महंत मुरारीलाल, सीकर से अमरचंद, शिव भगवान, महेंद्र सिंह राजपूत, दीपक जाजोदिया, राजकुमार सोनी, महेश चिकना, अमित तुनवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद थे। इस अवसर पर स्वीटी शेखावत ने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में दीपेंद्र सारण, फतेहपुर से दीपक सोनी ने गौ-सेवा हेतु सहयोग प्रदान किया।

'वंदे गंगा' अभियान के तहत पशु चिकित्सालय मेहाड़ा जाटूवास में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियां आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी के निकट स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय मेहाड़ा जाटूवास में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत चिकित्सालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही पक्षियों के संरक्षण एवं गर्मी के मौसम में उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु परिन्दे भी लगाए गए। इस अवसर पर डॉ. विकास काला एसवीओ ने आमजन एवं पशुपालकों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी के बीच पक्षियों और पशुओं के लिए स्वच्छ पानी एवं दाना उपलब्ध करवाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपने घरों एवं आसपास नियमित रूप से परिन्दों में पानी भरने तथा दाना डालने की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. दीपक, पशु निरीक्षक देवेन्द्र रावत, सुनील, आशीष शर्मा, विजय एवं विजेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाने के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

वंदे गंगा अभियान के तहत झुंझुनू रेलवे स्टेशन पर स्काउट-गाइड ने की जल सेवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनू।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वावधान में 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के अंतर्गत मंगलवार को रेलवे स्टेशन झुंझुनू पर ग्रीष्मकालीन जल सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच यात्रियों को ठंडा जल एवं शरबत पिलाकर राहत प्रदान की गई।कार्यक्रम में महालक्ष्मी ज्वेलर्स के महासिंह माँठ एवं जय सिंह माँठ के सौजन्य से यात्रियों के लिए ठंडे जल और शरबत की व्यवस्था की गई। यात्रियों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार जताया।सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे स्टेशन झुंझुनू पर ग्रीष्मकालीन जल सेवा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जयसिंह माँठ, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुनीता यादव, जिला साक्षरता अधिकारी योगेंद्र सिंह तथा स्काउट जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजीलाल शर्मा ने जल सेवा में लगे स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स का उत्साहवर्धन किया।

जल सेवा कार्यक्रम में स्वच्छ भारत संकल्प सेवा समिति के सुभाष चंद्र वर्मा, सुनील कुमार रोहिल्ला, श्रीमती सुदेश, रोवर लीडर डॉ. शिवकुमार, अलसीसर स्काउट सचिव रामचंद्र मीणा, इंद्राज सिंह, राजेश कुमार, स्थानीय संघ झुंझुनू के सचिव धर्मपाल सिंह, समदर लाल सैनी, समाजसेवी रामानंद आजाद, राष्ट्रपति स्काउट उमेश रोहिल्ला, सुरेंद्र किरोड़ीवाल, रोवर लीडर सौरव केडिया, समाजसेवी सुनील कुमार, महेश कुमार, दिनेश कुमार, गिरीश जालान, जितेंद्र, संजू कुमावत, रितिका, किरण, कंचन, दिया जांगिड़, रिद्धि, कनिष्का, बंशी लाल, यशस्वी, कविता, लोकेंद्र, रोहित मील सहित अनेक स्काउट्स एवं गाइड्स ने भाग लिया। इस अवसर पर जयसिंह माँठ ने कहा कि जल सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है और सभी को ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। वहीं जिला साक्षरता अधिकारी योगेंद्र सैनी ने आयोजन की सराहना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुनीता यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्चा मानव धर्म है।

एससी डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी का रेवाड़ी पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

बोले -एससी डिपार्टमेंट लोगों को पार्टी से जोड़ने का निरंतर चला रहा है अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी आज रेवाड़ी पहुंचे, जहां जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार के कार्यालय पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पगड़ी पहनाकर और फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी ने कहा कि अनुसूचित जाति विभाग पूरे हरियाणा में गांव-गांव जाकर लोगों को कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों से अवगत करा रहा है और उन्हें पार्टी से जोड़ने का अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए विभाग लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और आने वाले समय में यह अभियान और तेज किया जाएगा। मनोज बागड़ी ने रेवाड़ी जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जाति विभाग रेवाड़ी में बेहद प्रभावी तरीके से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं की मेहनत साफ दिखाई दे रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 1 साल में केंद्र सरकार के गिरने को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज बागड़ी ने कहा कि 'राहुल गांधी जो भी कहते हैं, पूरी जिम्मेदारी और सच्चाई के साथ कहते हैं। देश की जनता बदलाव चाहती है और आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिलेगा। 'हाल ही में हुए निकाय चुनावों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सभी स्थानों पर पूरी मजबूती और दमदारी के साथ चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्साह और जनता का समर्थन लगातार बढ़ रहा है। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा के समापन कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के शामिल न होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का विषय है और इस पर वही बेहतर टिप्पणी कर सकते हैं। वहीं, अनुसूचित जाति विभाग रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने प्रदेश अध्यक्ष मनोज बागड़ी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विभाग लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की सक्रियता और मेहनत का ही परिणाम है कि अनुसूचित जाति विभाग से जुड़े कर्मबीर बौद्ध को कांग्रेस पार्टी ने राज्यसभा भेजकर सम्मान दिया है। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के एस सी डिपार्टमेंट के जिला उपाध्यक्ष खूब राम सरपंच, जिला उपाध्यक्ष मामराज, जिला उपाध्यक्ष धरमबीर, भगतसिंह बौध , महेंद्र सिंह यादव, हीरा सिंह, राजेन्द्र सिंह,सचीन, सुदेश व इंद्रजीत सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

महनपुर में शॉर्ट सर्किट से कच्चे मकान में आग, सिलेंडर फटा: 7 लाख का नुकसान, नकदी-जेवर राख

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । बुधवार सुबह महानपुर गांव में शॉर्ट सर्किट के कारण एक कच्चे मकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा आशियाना जलकर राख हो गया। इस दौरान घर में रखा गैस सिलेंडर भी तेज धमाके के साथ फट गया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसमान में दूर तक धुएं का गुबार छा गया। पीड़ित रोहिताश्व कुम्हार ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अपनी बकरियां बेची थीं, जिससे मिले करीब 2.50 लाख रुपये नकद घर में ही रखे थे। आग की चपेट में आने से पूरी नकदी, सोने-चांदी के जेवरात, सालभर का अनाज, पशुओं का चारा और सारा घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। ग्रामीणों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार परिवार को कुल मिलाकर लगभग 7 लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है। घटना की भयावहता देखकर स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचना दी। बानसूर नगरपालिका की दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और फायर फाइटर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पटवारी मीना चौधरी महानपुर पहुंचीं और घटना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया और जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजने का आश्वासन दिया। सब कुछ गंवा चुके पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल उचित आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाने की मांग की है।

नीमराना में मिलेट्स प्रशिक्षण से जुड़ीं 90 ग्रामीण महिलाएं, प्रमाण पत्र देकर आत्मनिर्भरता की राह दिखाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं पोषण आधारित उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में युवा जागृति संस्थान की सराहनीय पहल रंग लाई है। संस्थान द्वारा आयोजित मिलेट्स प्रसंस्करण एवं उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में सिलारपुर, भीमसिंहपुरा एवं रोडवाल गांव की 90 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह प्रशिक्षण आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में महिलाओं को बाजरा, ज्वार, रागी जैसे मोटे अनाजों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग और विपणन की बारीकियां सिखाई गईं। साथ ही मिलेट्स से बिस्किट, कुकीज, नमकीन और रेडी-टू-कुक उत्पाद बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि महिलाएं घर से ही लघु उद्यम शुरू कर सकें। समारोह में संस्थान के प्रतिनिधियों ने बताया कि मिलेट्स को बढ़ावा देने से न सिर्फ महिलाओं की आय बढ़ेगी, बल्कि कुपोषण से लड़ने में भी मदद मिलेगी। प्रशिक्षित महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए बैंक लिंकेज और बाजार से जोड़ने में भी संस्थान सहयोग करेगा। प्रमाण पत्र पाकर महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

वैभव सूर्यवंशी ने खेली ऐतिहासिक पारी, क्रिस गेल का एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 के एलिमिनेटर मुकाले में सनराइजर्स हैदराबाद ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सूर्यवंशी ने 60 छक्कों के साथ गेल को पीछे छोड़ा और अब IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के हो गए हैं। गेल ने 2012 में यह रिकॉर्ड बनाया था जो 14 सालों के बाद टूटा है।

सूर्यवंशी ने 29 गेंदों पर 97 रन की शानदार इनिंग खेलते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। गेल ने 2012 में IPL में 59 छक्के लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में आंद्रे रसेल का नाम भी है जिन्होंने 2019 में 52 छक्के लगाए थे। लिस्ट में चौथे नम्बर पर एक बार फिर गेल हैं जिन्होंने 2013 में IPL के एक सीजन में 51 छक्के लगाए थे। लिस्ट में पांचवें खिलाड़ी जोस बटलर हैं जिन्होंने 2022 में 45 छक्के लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज़्यादा छक्के

60* - वैभव सूर्यवंशी (2026)
59 - क्रिस गेल (2012)
52 - आंद्रे रसेल (2019)
51 - क्रिस गेल (2013)
45 - जोस बटलर (2022)

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने 16 मैचों की 16 इनिंग्स में 704 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका हाइएस्ट 103 रहा है। उन्होंने 45.33 की औसत और 242.85 की स्टाइक रेट से ये रन बनाए जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल है। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के केसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थन रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसक के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

सुमित अंतिल ने इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

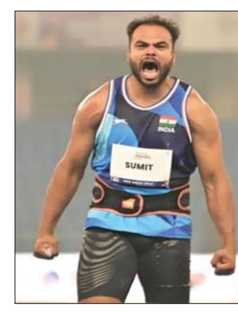

बेंगलुरु । स्टार भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 27 वर्षीय अंतिल ने भाले को 74.82 मीटर की दूरी तक फेंका जो उनके 73.29 मीटर के पिछले विश्व रिकॉर्ड से अधिक है। यह रिकॉर्ड उन्होंने 2022 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। अंतिल पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं और उन्होंने निकट भविष्य में 80 मीटर का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने 2020 और 2024 के पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और 2023, 2024 और 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया है। उन्होंने चीन के हांगझोऊ में हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ64 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है और जो कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है। वर्ष 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रुसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रही है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्सः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्सः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

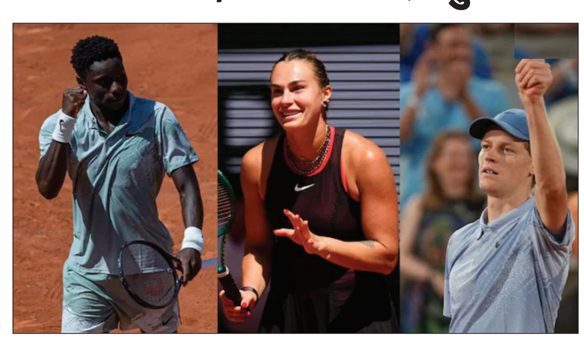

पेरिस । यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7 (6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6 (3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

आरसीबी ने जीत से दिखाया कि नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है :कुंबले

धर्मशाला (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर 1 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रनों की जीत के साथ आईपीएल के फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने RCB की शानदार जीत का विश्लेषण किया और रजत पाटीदार की बेहतरीन कप्तानी पर बात की।

कुंबले ने RCB की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा, 'टॉस हारने के बाद RCB ने बोर्ड पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। किसी भी मैच में इतने रन बनाना मुश्किल होता है, लेकिन प्लेऑफ में ऐसा करना असली हिम्मत दिखाता है। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों को फिर भी मैदान पर उतरकर अपना काम करना था। उन्होंने यह काम शानदार ढंग से किया, जिसमें रजत पाटीदार ने आगे बढ़कर कप्तानी की और विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छा योगदान दिया।'

कुंबले ने कहा, 'जब RCB गेंदबाजी करने उतरी, तो उन्होंने GT के ओपनर्स को जमने नहीं दिया। उन्होंने कसी हुई लाइन पर गेंदबाजी की, दबाव बनाए रखा, और साई सुदर्शन के दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने से उन्हें शुरुआती सफलता मिल गई। उस विकेट ने जीत के दरवाज़े खोल दिए। वहां से RCB के गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। यह शुरू से लेकर अंत तक एक बेहतरीन प्रदर्शन था। गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग - उस रात RCBके लिए सब कुछ एकदम सही रहा। वे सिर्फ जीते ही नहीं; उन्होंने एक बयान दिया है। नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की ज़रूरत होती है।'

रजत पाटीदार की पारी और कप्तानी पर कुंबले ने कहा, 'एक खिलाड़ी अपने साथियों का सम्मान तब कमाता है, जब वह बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। रजत पाटीदार ने ठीक यही किया है। यह पहला क्वालिफायर आरसीबी के लिए बहुत बड़ा मैच था। पहला क्वालिफायर जीतकर सीधे फाइनल में पहुँचने से आपको बहुत बड़ा फायदा मिलता है। तीन या चार दिन का आराम खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने का मौका देता है।'

उन्होंने कहा, 'पहला क्वालिफायर जीतने का यही एक बड़ा फायदा है। रजत ने कप्तान के तौर पर शानदार काम किया है। लेकिन RCB की जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। हर मैच में, कोई नया खिलाड़ी 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीतता है। पिछले सीजन में जब उन्होंने खिताब जीता था, तब भी ठीक यही हुआ था। जब हर कोई अपना योगदान देता है, तो आप एक चैंपियन टीम बन जाते हैं। जीटी के खिलाफ इस मैच में, हर गेंदबाज ने विकेट लिए। किसी एक या दो खिलाड़ियों पर ही पूरी तरह निर्भरता नहीं थी। बल्लेबाजी जोरदार रही, गेंदबाज़ी अनुशासित थी, और फील्डिंग भी चुस्त थी। यह उस टीम की पहचान है, जो बड़े मैच जीतना जानती है।'

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है।

आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा– तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण

मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह–आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफमामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

नीट–यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट–यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट–यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट–यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल–स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी–संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह–मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का–मुक्की और अफरा–तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018–19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

– प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

–अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी(एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े

बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों–सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स–परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार~मोदी सरकार की प्रायोजित महंगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि

क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा– वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

–पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने याद दिलाया कि जब विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल

की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

–प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानूसन के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस–यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट–जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सरकार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर–लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन–इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7–इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

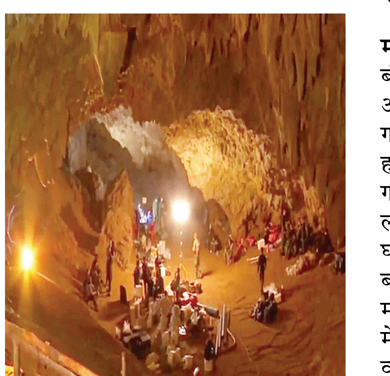

पाकिस्तान: दो बसें आपस में टकराईं, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्प्रेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com